%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 648

NO. 337

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Simhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 772; A. R. No. 273-L of 1899 )

Ś. 1293

(१।) स्वस्ति श्री [।।] शकवर्षवुलु १२९३ गुने टि श्रीवीरादि(धि)वीर-

(२।) भानुदेवस्य प्रवर्द्धमान विजयराज्य संवत्सरंवु-

(३।) लु[र]गु आई<2> भाद्रपद वह(हु)ल दशमियु गुरुवार<3>मुनंडु

(४।) [श्री]कलिगपरीक्ष प(पा)त्र घर्मदासजीय[न] अधिष्ट(ष्टा)नमंदु

श्रीनरसिहाद्रि-

(५।) न(ना)थनि भोगपरीक्ष चि[ङ्ग]म स(सा)हसमल्ल वेहरण समस्तपंचा

(६।) दि समस्तपंच(चा)दि पंच्चप्रकरणमुनै चित्तस(सा)नि कुंतुऋ मु-

(७।) दुनरखकु श्रीनरसिहनाथुनि नगरनु नित्यमुन्नु रे[ं]डु कुंचालु

(८।) प्रसादमुन्नु आचंद्राकस्थाइगं(गा) वेट्टिरि ई धर्म्मवु श्रीवैष्णव

(९।) रक्ष श्री श्री श्री [।।]

<1. In the nineth niche of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The reading of the Srāhi year is not correct.>

<3. The corresponding date is the 7th August, 1371 A. D., Thursday. The tithi is Ekādaśī but not Daśamī.>